Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 11 July 2018 17:52

: □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□ □□,□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□ : □□□□-□□□□□□ □□□□□□□□, □□□□□-□□□□ □□□□□□□□, □□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□ , □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□ : □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ :

□□□□□□ □□□□□□

□□□□ : तो दोस्तों, सच बात तो यही है कि मैं इसीलिए भगवान-वगवान और ईश्वर-फिश्वर पर बहुत आस्था रखता हूं। बल्कि भगवान और ईश्वर ही नहीं, उनकी फेमिली के जितने देव-देवता हैं, उन पर भी मेरी कड़ी आस्था, प्रेम, दोस्ती वगैरह है। दरअसल यह सब लोग बहुत सिस्टम के साथ काम करते हैं। हंसी-ठिठोली भी करेंगे, गुस्सा भी करेंगे, दोस्ती भी करेंगे, झंझट भी करेंगे और सामान्य कामधाम भी करेंगे। रंभा-मेनका नाचेंगी, हाहा-हूहू गायेंगे, इंद्र जी ड्रिंक्स लेते रहेंगे, विष्णु जी शेषनाग पर लेकर लक्ष्मी जी से अपना गोड़ दबवाते रहेंगे। सरस्वती जी वीणा बजायेंगी। अपना काला भैंसा लेकर यमराज जी झोंटा पकड़ कर फाइनल वारंट तामील करने निकल जाया करेंगे।

भोजन-पानी तो चलता ही रहता है, उसके बिना तो किसी सम्पादक और जज ही नहीं बल्कि मंत्री-राज्यपाल तक का काम नहीं चलता। यकीन न हो तो संपादक उपेंद्र राय, पीके तिवारी, तरूण तेजपाल, बाबा आसाराम बापू, राधे मां, हिमाचल वाले वीरभद्र, हरियाणा वाले गोपाल कांड़ा, आंध्रप्रदेश राजभवन वाले विश्वविख्यात नरायण दत्त तिवारी, तमिलनाडु वाली जयललिता, सपरिवार दुराचारी अमरमणि त्रिपाठी, बांदा वाले पुरूषोत्तम द्विवेदी, अनन्त मिश्र अंटू, दिल्ली वाला मंत्री संदीप बंसल, अदालतों वाले ओपी मिश्रा और एसपी शुक्ला, यूपी के मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एसपी गोयल, पुराने आलोक रंजन, प्रदीप शुक्ला वगैरह-वगैरह। छोड़िये आखिर किसका-किसका नाम बताया जाए।

खैर, मैंने मंगलवार को लिखा था कि गर्मी-उमस बेहिसाब है, लेकिन भगवान कुछ नहीं कर रहे हैं। मानसून की बारिश वाले डिपार्टमेंट वाले प्रमुख मेघनाथ और उनकी मेघनथनी जी से मैंने अप्लीकेशन लगायी थी। लिखा था कि वे अब रहम करें मानवों-प्राणियों को। उस पत्र का मजमून मैं निम्नलिखित चिपकाये दे रहा हूं।

Written by कुमार सौवीर
Wednesday, 11 July 2018 17:52